दिनांक :- 16-07-2020

कॉलेज का नाम :- मारवाड़ी कॉलेज दरभंगा

लेखक का नाम :- डॉ॰ फ़ारूक़ आज़म (अतिथि शिक्षक)

स्नातक :- द्वितीय खंड (कला)

विषय :- प्रतिष्ठा इतिहास

इकाई :- ग्यारह

पत्र :- चतुर्थ

अध्याय :- च्यांग-काई-शेक

(3) आर्थिक सुधार :- च्यांग काई शेक ने आर्थिक सुधार की ओर भी ध्यान दिया। टी॰ वी॰ सुंग (T. V. Song) की अधीनता में अर्थविभाग का पुनर्गठन किया गया। सुंग ने राजकीय आय को बढ़ाने का प्रयत्न किया। प्रशासकीय व्यय में कमी करने का पूर्ण प्रयत्न किया गया। कृषि और उद्योग विकास धंधों के विकास पर ध्यान दिया गया। रूई तथा

Scanned with CamScanner

तथा चना की नई खेती की जाने लगी। चाय और सिल्क की उपज बढ़ाई गई। विदेशों में भी इनका निर्यात किया जाने लगा। चीनी सिल्क की सर्वाधिक बिक्री अमरीका तथा यूरोप में होने वाले हैं। चीन के सिल्क की प्रसिद्धि इतनी अधिक हुई कि अमरीका कारक जीवविज्ञान का विद्वान् चीन आकर सिल्क के कीड़ों को अपने देश ले गया। पश्चिमी देशों की तरह शंघाई, हांको आदि में फल-कारखाने खोले गए। 1924 को ही राष्ट्रीय पुनर्निर्माण आयोग, राष्ट्रीय अर्थ परिषद् एवं प्रधान अंकेक्षक कार्यालय की स्थापना हो चुकी थी। चीन के चार प्रमुख बैंकों- सेंट्रल बैंक ऑफ चाइना, दि बैंक ऑफ चाइना दि बैंक ऑफ कम्युनिकेशन तथा फार्मर्स बैंक ऑफ चाइना को नोट छापने का अधिकार दे दिया गया।

Scanned with CamScanner

इन बैंको से अब सरकार को कर्ज भी मिलने लगे मुद्रा पद्धति में सुधार लाने के लिए एक कमीशन की नियुक्ति की गई।

(5) यातायात के साधन- आवागमन की सुविधा पर भी ध्यान दिया गया। रेलमार्ग के निर्माण के लिए पृथक् रेल विभाग खोला गया। चीन की केन्द्रीय और प्रांतीय रेलवे इसके अधीन कर दी गई। यूनान, क्वांसी और चिकि यांग में ऐसी अनेक सड़कों का निर्माण किया गया। इन सड़कों का निर्माण शांति संस्थापन तथा युद्ध संचा लन दोनों दृष्टियों से किया गया। हवाई जहाज भी उड़ाने लगे। विदेशियों द्वारा कई वायु कंपनियाँ खोली गईं जिनका काम जहाज का निर्माण करना था। कई नाविक कंपनियाँ भी खोली गईं। पोस्ट ऑफिस का पुनर्गठन किया गया। डाकघर, टेलीफोन, तार आदि का भी प्रबंध किया गया।

Scanned with CamScanner

(5) कानून व्यवस्था में सुधार- 1929 से 1931 के बीच चीन में एक नया कानून संग्रह निर्मित हुआ। जो मुख्यतः दीवानी मामलों से सम्बद्ध था। यह कानून संग्रह फ्रांस और जर्मनी की कानूनी पद्धति से बहुत अधिक प्रभावित था। व्यावसायिक और औद्योगिक क्षेत्र से संबंधित अनेक कानून बनाए गए। मजदूरों के कल्याण के लिए श्रम कानून बनाए। कानून बना कर अफीम के सेवन पर रोक लगा दी गई। आधुनिक ढंग की कचहरियाँ स्थापित की हुई नानकिंग में एक उच्चतम न्यायालय स्थापित किया गया। आधुनिक ढंग के कारागार भी बनाए गए।

(6) सैनिक पुनर्गठन :- च्यांगकाई शेक ने सैनिक पुनर्गठन के लिए जर्मन सैन्य विशेषज्ञों को आमंत्रित किया। 1929 में च्यांग ने मैक्स बोनर को अपना सलाहकार नियुक्त किया।

अप्रैल, 1924 में इसी के परामर्श से क्वांसी के सेनापतियों को पराजित कर हांको पर अधिकार किया गया। 1923 के बाद चीन में एक जर्मन सैनिक मंडल की स्थापना की गई। 1935 में फॉन सीक्ट नामक एक योग्य जर्मन सेनापति को जर्मन सैनिक मंडल के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया उसने चीनी सेना का संगठन जर्मन सेना के नमूने पर किया और उसे अस्त्र-शस्त्र से सुसज्जित किया। 1935 में ही वह चला गया, परंतु उसने कुछ जर्मन विशेषज्ञों को चीन में छोड़ दिया जो द्वितीय विश्व युद्धकाल तक चीन में बने रहे। च्यांग काई शेक ने सुधार के कुछ काम तो अवश्य किए, किंतु इनसे आम लोगों को कोई विशेष लाभ नहीं हुआ डॉ० सनयात सेन के आजीविका सिद्धांत के अनुसार न तो भूमि का समान विवरण किया गया और न पूंजी पर नियंत्रण ही डाला गया। उत्पादन पर भी कोई विशेष ध्यान नहीं दिया गया।

Scanned with CamScanner

अतः कुओमिनतांग दल के तीसरे मूलतंत्र आजीविका सिद्ध को तिलांजलि दे दिया गया। चीन की जनता की मौलिक कठिनाइयाँ ज्यों की त्यों बनी रही। अतः च्यांग काई शेक के सुधारों के संबंध में यह ठीक ही कहा जाता है, क्योंकि के अनुसार पूँजीवादी राज्य के विचित्र सुधार कार्यक्रम थे जिनसे निर्धन आम लोगों की आवश्यकताओं की कोई पूर्ति नहीं हुई।

विदेश नीति (1919-1932)

रूस में सन् 1917 में रूस में बोल्शेविक क्रांति के फलस्वरूप वहाँ साम्यवादी सरकार की स्थापना हुई थी। इस समय चीन के अनेक सेनानायकों ने रूसी अधिकृत एवं प्रभाव क्षेत्र पर अपना अधिकार कर लिया था। पीकिंग सरकार ने बाक्सर आन्दोलन के पश्चात् चौपी गई क्षतिपूर्ति की राशि की किश्त 1920 में ही रूस को देना

बंद कर दिया था। चीन जनता की सहानुभूति प्राप्त करने तथा साम्यवाद का प्रचार करने के लिए रूस ने अपने समस्त अधिकार स्वेच्छा से त्याग देना और एक नवीन संधि कर लेना ही अधिक श्रयस्कर समझा। अतः रूस और च्यांग काई शेक की सरकार के बीच 22 दिसम्बर 1924 को एक संधि हुई। इसके अनुसार रूस ने चीन में राज्यक्षेत्रातीत अधिकार त्याग दिए, अर्थात भविष्य में चीन में निवास करने वाले रूसी नागरिकों के मुकदमों का फैसला चीनी न्यायालय द्वारा, चीनी कानून द्वारा किया जाएगा।

वाशिंगटन सम्मेलन (11 नवम्बर 1921) अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों से जब भी अवसर प्राप्त होता, चीनी प्रतिनिधि अपनी माँग रखते थे। 1919 को पेरिस शांति सम्मेलन में उन्हें कुछ भी नहीं मिला था। शीघ्र ही उन्हें यह अवसर 1921 के वाशिंगटन सम्मेलन में मिला।